**DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY**
**LIBRARY**
**PRESS CLIPPING SERVICE**

NAME OF NEWSPAPERS--- THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI SATURDAY, AUGUST 5, 2023 ---------DATED----------------------

# Submerged Basements Give That Sinking Feeling At Games Village

## FLOOD PAIN: Heavy Duty Pumps, Staff Work Overtime To Keep Water Out

Photos: Rajesh Mehta

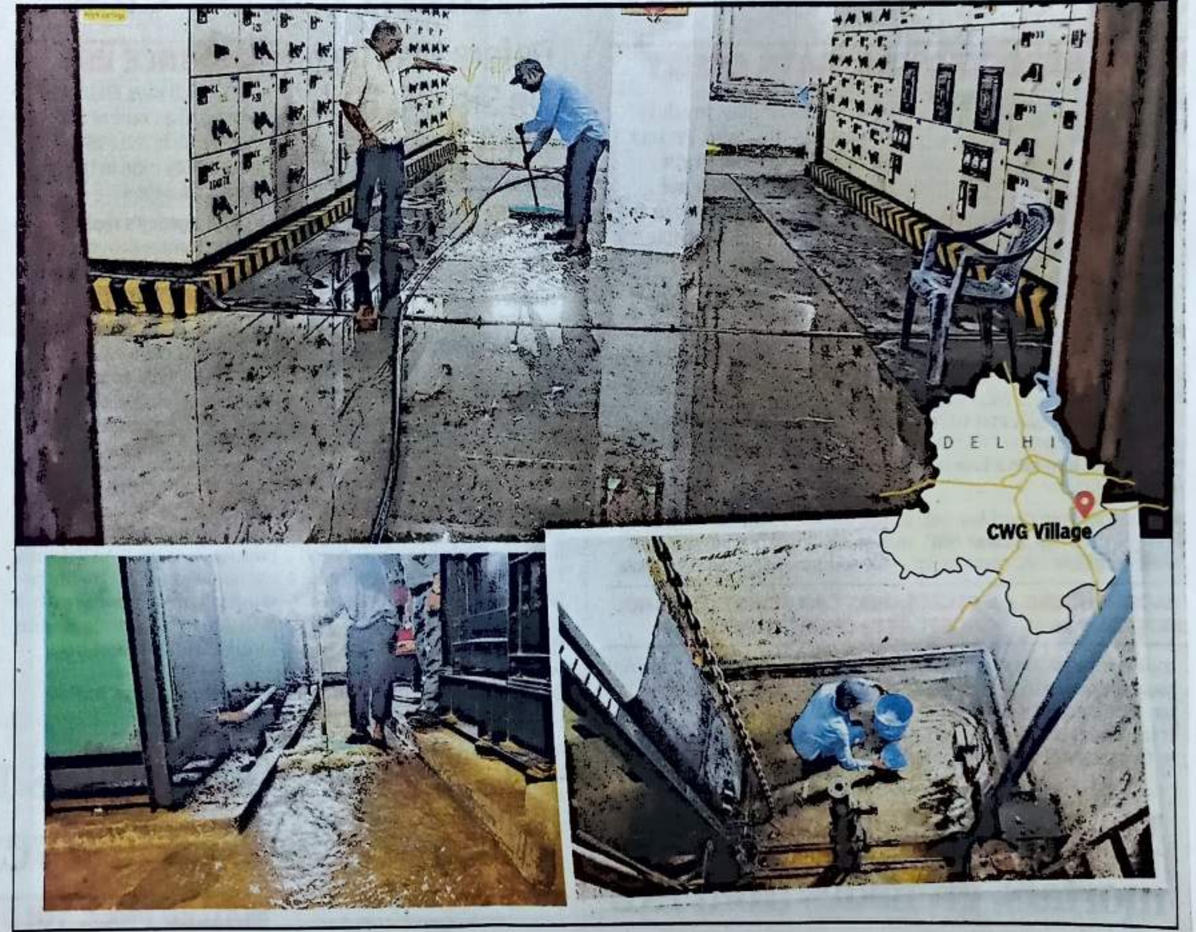

**Kushagra.Dixit@timesgroup.com**

**New Delhi:** Having passed muster as home for elite athletes from the British commonwealth countries in 2010 after catching the global eye for its controversial rush to completion, the Commonwealth Games Village built on the Yamuna floodplain is today virtually floating on water. Over 30 heavy duty pumps have been operating 24x7 for the past month to bail out the water from its lower levels.

According to residents of the complex comprising 1,100 apartments, the waterproofing has worn out over the years. "Water is continuously being pumped out. One worker has to keep draining the generator room so the water level doesn't reach the electricity wires," said Amitabh Mathur, a resident. "Several lift shafts have to be emptied of water every day. Now the seepage has reached even the apartments. The most dangerous thing is that the water is not leaking in from above, but from the land on which the complex is built."

The apartments may be owned, among others, by DDA, Central Public Works Department, external affairs ministry and public-sector undertakings, but nothing has been done to stop the soaking. The residents claim that the inundation seemed to have been triggered by DDA constructing a lake on the eastern bank of Yamuna and later, a cycling track and road in the river water catchment area.

A bemused Mathur asked, "Why invest crores of rupees to build on the floodplain, knowing there will be excessive water there? Did the authorities conduct studies on what would happen if a waterbody were developed on the floodplain?"

The maintenance staff said the power bill this month has shot up due to the continuous operation of the pumps, without which water accumulates inexorably. "The water level rises at an alarming rate of 8 inches every day," said one worker.

The complex does not have a residents' welfare association, but according to the nodal officer, Amarnath, a retired judge, resolving the problem will need professional expertise and expensive repair and renovation work, which is "beyond the scope of my powers".

"Currently, we are doing whatever we can as stop-gap measures. However, proper resolution will cost around Rs 15 crore. To sanction this kind of money is beyond the scope of the nodal officer," said Amarnath. "To get things done legally, we need to have a residents' association, which will elect a governing body, which in turn can sanction large-scale repair work." The nodal officer added that Delhi High Court, which has been hearing a case related to this, has ordered the constitution of an administrative body to oversee renovation work of this nature.

According to A K Gosain, professor emeritus at Indian Institute of Technology, Delhi, the Commonwealth Games Village was built in the path of the Yamuna, so destined to its current fate. Gosain was part of the environment committee set up by the Union environment ministry when the athletes' village was being planned. He and architect KT Ravindran had resisted the proposal to build the athletes' apartments at the riverine spot.

Explaining why the complex was getting flooded, Gosain said, "A division or an embankment was created between the river and the complex at the time of construction. But no matter how deep you dig, you can't reach the river bedrock. And so long as the level of the river is higher than the level of the basements, the lower portions of the complex are bound to be inundated."

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

**दैनिक जागरण** नई दिल्ली, 5 अगस्त, 2023

## तकनीकी खराबी से उड़ान में देरी पर बिफरे यात्री

जासं, नई दिल्ली : आइजीआइ एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 पर कनाडा जाने के लिए पहुंचे यात्रियों का सब्र तब टूटने लगा जब विमान के उड़ान भरने को लेकर लगातार विलंब होने लगा। जब यात्रियों ने यहां हंगामा शुरू किया तो पता चला कि तकनीकी खराबी के कारण दूसरे विमान का प्रबंध किया जा रहा है। यात्रियों की मांग थी कि उन्हें दूसरे उड़ान से भेजा जाए, पर एयरलाइंस कर्मियों ने ऐसा नहीं किया। इसके बाद यात्रियों व एयरलाइंस कर्मियों में बहस होने लगी। जिस विमान के उड़ान भरने में विलंब हुआ, उसे नई दिल्ली से वैंकूवर जाना था। एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआइ 185 को सुबह 5:10 बजे उड़ान भरनी थी, पर साढ़े तीन बजे उड़ान भरी। इस प्रकरण पर एअर इंडिया का पक्ष मांगा गया पर नहीं मिला।

---

# पीएम ने दिया 'जहां झुग्गी वहीं मकान' लाभार्थियों के पत्रों का जवाब

जून में विदेश मंत्री एस. जयशंकर के कालकाजी एक्सटेंशन के दौरे के समय उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देने के लिए धन्यवाद कार्ड सौंपती लाभार्थी रेनू • जागरण आर्काइव

जागरण संवाददाता, दक्षिणी दिल्ली: कालकाजी एक्सटेंशन में 'जहां झुग्गी, वहीं मकान' योजना के अंतर्गत फ्लैट प्राप्त करने वाली महिलाओं से धन्यवाद पत्र मिलने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन महिलाओं के प्रति कृतज्ञता जताई है। आभार वाले इन पत्रों में से कुछ को अपने ट्विटर हैंडल पर साझा कर प्रधानमंत्री ने उनकी सरकार द्वारा लगातार आमजन के कल्याण के लिए कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई। साथ ही लोगों को फ्लैट मिलने व उनके सपने साकार होने पर खुशी जाहिर की।

प्रधानमंत्री को भेजे गए आभार पत्रों में लाभार्थी कुसुमलता लिखती हैं कि वह वर्षों से भूमिहीन कैंप की झुग्गियों में रह रही थीं, लेकिन प्रधानमंत्री ने उन्हें और उनके बच्चों के सिर पर छत दी है। इसके लिए वह प्रधानमंत्री को धन्यवाद देती हैं। वहीं, प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए चेतना लिखती हैं कि प्रधानमंत्री ने उन्हें कोविड के दौरान मुफ्त टीका, अब फ्लैट और उनकी भविष्य की पीढ़ियों को साफ व स्वच्छ वातावरण दिया है। इसके लिए वह प्रधानमंत्री मोदी की आभारी हैं।

प्रधानमंत्री को लिखा गया कुसुमलता का पत्र • सौ. पीएम का ट्विटर अकाउंट

- लाभार्थियों ने विदेश मंत्री को पीएम तक पहुंचाने के लिए सौंपे थे पत्र
- धन्यवाद पत्र मिलने पर पीएम ने पत्रों को ट्विटर पर किया साझा

बता दें कि लगभग डेढ़ महीने पहले, यानी 17 जून को विदेश मंत्री एस. जयशंकर के दिल्ली दौरे के समय इन महिलाओं ने उन्हें लगभग 600 धन्यवाद कार्ड (पत्र) सौंपे थे। इन महिलाओं ने विदेश मंत्री को इन पत्रों को इन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक पहुंचाने की अपील की थी और फ्लैट मिलने पर प्रधानमंत्री के प्रति आभार जताया था।

बता दें कि कालकाजी एक्सटेंशन स्थित इन 3,024 फ्लैटों को 'जहां झुग्गी, वहीं मकान' के तहत केंद्र सरकार के अधीन डीडीए द्वारा 345 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है, जो भूमिहीन कैंप समेत आसपास के अन्य इलाकों के झुग्गीवासियों को सौंपा गया था और अब वे लोग यहां रह रहे हैं।

---

नई दिल्ली, 5 अगस्त, 2023 **दैनिक जागरण**

# ई-कचरा इको पार्क के लिए सलाहकार कंपनी नियुक्त

**वी के शुक्ला • नई दिल्ली**

- भूखंड का उपयोग बदलने का मामला केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय पहुंचा
- डीएसआइआइडीसी बनाने जा रहा होलंबी कलां में 12 एकड़ भूमि पर पार्क

दिल्ली में ई-कचरा इको पार्क बनाने की योजना कुछ आगे बढ़ती प्रतीत हो रही है। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के नरेला सब-सिटी स्थित होलंबी कलां में 12 एकड़ भूमि पर इस पार्क को बनाने की योजना है। दिल्ली राज्य औद्योगिक एवं बुनियादी ढांचा विकास निगम (डीएसआइआइडीसी) इस योजना पर काम कर रहा है। डीएसआइआइडीसी ने इसके लिए सलाहकार कंपनी की नियुक्ति कर दी है। कंपनी छह माह में रिपोर्ट देगी। उसी के अनुसार आगे की कार्रवाई होगी। जिस प्लाट पर ई-कचरा इको पार्क बनना है, डीडीए इसे डीएसआइआइडीसी को सौंप चुका है। इस भूखंड का उपयोग आवासीय श्रेणी में था, इसलिए भू-उपयोग बदला जाना है। पिछले वर्ष जुलाई में ही एलजी ने डीडीए बोर्ड की बैठक में आवासीय जमीन की उपयोगिता श्रेणी बदलने की अनुमति दी थी।

भू-उपयोग बदलने के लिए फाइल डीडीए के जरिये केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय भेजी गई है। माना जा रहा है कि जब तक सलाहकार कंपनी इस योजना के लिए रिपोर्ट देगी, भूखंड के उपयोग बदलने की अनुमति भी मंत्रालय से मिल जाएगी। दिल्ली में हर वर्ष दो लाख टन से ज्यादा ई-कचरा पैदा होता है, जो देशभर में उत्पादित कुल ई-कचरे का लगभग 9.5 प्रतिशत हिस्सा है। माना जाता है कि राष्ट्रीय राजधानी में इनमें से महज पांच प्रतिशत ई-कचरे को ही सही तरीके से रिसाइकिल किया जाता है। शेष के निपटान की व्यवस्था नहीं है।

लोग घरों और उद्योगों में जिन इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रानिक्स सामान को इस्तेमाल करने के बाद फेंक देते हैं, यही इलेक्ट्रानिक वेस्ट (ई-वेस्ट) है। दिल्ली सरकार के लिए इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) भी इस मामले में चुनौती बनने जा रहे हैं। वाहनों से निकलने वाली खराब बैटरी को रिसाइकिल (पुनर्चक्रण) करने की कोई योजना नहीं है, जबकि जिस तरह से दिल्ली में ईवी बढ़ते जा रहे हैं, तीन-चार वर्ष में यह भी बड़ी समस्या बन चुकी होगी। इनके लिए भी इसी पार्क में इकाइयां लगाई जाएंगी।

इको पार्क तक पूरी दिल्ली का ई-कचरा पहुंचाने के लिए खास नेटवर्क तैयार होगा। इसके लिए दिल्ली को 12 जोन में बांटा जाएगा। हर जोन पर अपने इलाके का ई-कचरा संग्रह करने की जिम्मेदारी होगी। यहां आमजन भी अपने घरों से निकलने वाले ई-कचरा को जमा कर सकेंगे। इसके बाद जोन पार्क तक कचरा पहुंचाया जाएगा। पार्क में हर तरह के ई-कचरे के प्रसंस्करण करने के लिए पुनर्चक्रण इकाइयां होंगी। इससे दोबारा इस्तेमाल होने वाले उत्पाद तैयार किए जा सकेंगे। इस तरीके से न सिर्फ ई-कचरे का निपटान संभव होगा, बल्कि आमजन को भी इसका फायदा मिलेगा।

---

**हिन्दुस्तान**

4

## डीडीए में विभिन्न पदों के लिए 19 से परीक्षाएं होंगी

डीडीए में विभिन्न पदों पर नौकरी के लिए 19, 20, 26, 27 और 28 को परीक्षाएं आयोजित होंगी। इनमें पटवारी, सर्वे करने वाले, नायब तहसीलदार, लीगल असिस्टेंट, असिस्टेंट अकाउंट ऑफिसर और आर्किटेक्चरल असिस्टेंट के पद शामिल हैं। संबंधित जानकारी वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

# DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
## LIBRARY
## PRESS CLIPPING SERVICE

Hindustan Times | NEW DELHI
SATURDAY
AUGUST 05, 2023

DATED

# City's oldest church, now restored, reopens Sunday

**Sadia Akhtar**
sadia.akhtar@htlive.com

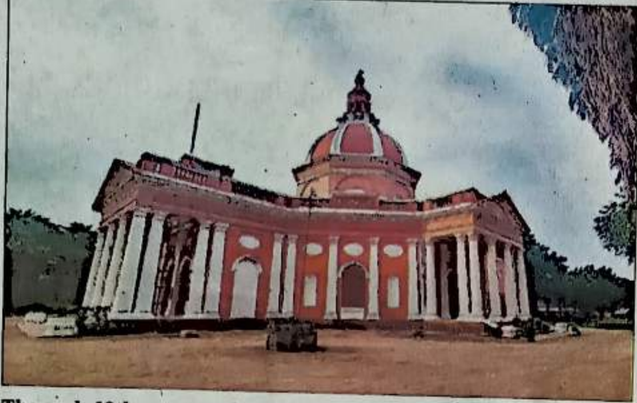

The early 19th-century church is located at Kashmere Gate. HT PHOTO

**NEW DELHI:** Restoration work at St. James's Church, one of the oldest churches in the Capital, has been completed, and the monument will be opened to the general public after a celebratory event on Sunday (August 6), officials aware of the matter said on Friday.

The early 19th-century church located at Kashmere Gate demonstrates classic colonial architecture. The over 180-year-old church, which was in a dilapidated condition with cracks and a weakened foundation, has been restored to its past glory. It now wears a distinct hue of pink, its original colour, instead of yellow, officials part of the conservation work said.

The church is not protected by the Archaeological Survey of India (ASI) or the state department of archaeology.

"The conservation process is complete. We are celebrating the completion of the conservation works on August 6. The LG of Delhi is coming as the chief guest and will unveil the plaque. It took us eight years for the initial thought to come into realisation," said Kamal Baluja, chairperson of the church conservation committee.

The event will begin with a rededication service in the morning by the Bishop of Delhi.

Work on the church's conservation plan was initiated in August 2015 by church authorities, and the financial grant came through in 2019. In 2021, an MoU was signed with the Delhi Development Authority (DDA), and work was finally initiated in October 2021. After delays due to the Covid-19 pandemic and ban on construction to control pollution, the conservation process picked up once again in July 2022. It was carried out by the Indian National Trust for Art and Cultural Heritage (Intach) as the project consultant.

According to Baluja, the colour of the outer walls of the church, at some point, had been changed to yellow.

"The authorities wished that it be restored it to its original colour, which was also seen in records, archival images, and paintings of the church they dug out," he said.

"The church gets general visitors and even foreigners. They will all be allowed to visit after its opening on August 6," sai Baluja.

Since the conservation exercise picked up pace last year, service was taking place at the Parish Hall.

A Scottish mercenary fighter, James Skinner, started building the church in 1821. It was consecrated 15 years later, and the first service was held in 1836 by Bishop Daniel Wilson.

Historian and author Swapna Liddle in her book, *Chandni Chowk: The Mughal city of Delhi*, described Skinner as an interesting figure.

Liddle writes that Skinner was the son of a Scottish military adventurer and an Indian woman.

Raised as a Muslim, it was during the consecration of the church in 1836 that he and his three sons were confirmed in the Christian faith.

। संडे नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । 6 अगस्त 2023

DATED

### DDA ने योजना में तेज़ी लाने के लिए जुलाई में किया था लॉन्च

# पीएम-उदय योजना के ऐप में आ रही दिक्कत

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

पीएम-उदय योजना में तेजी लाने और प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए डीडीए कई कोशिशें कर चुका है। इसी कड़ी में जुलाई में एक ऐप लॉन्च किया गया था। लेकिन एक महीने से कम समय में ही ऐप भी नाकाम होता दिख रहा है। यह ऐप सही तरीके से नहीं चल पा रहा है।

10 हजार से अधिक लोग डाउनलोड कर चुके हैं ऐप को

डीडीए ने 14 जुलाई को इस ऐप को जारी किया था। इसे अब तक 10 हजार से अधिक लोग डाउनलोड कर चुके हैं। इसमें रजिस्ट्रेशन, एप्लिकेशन फाइल करने, जीआईएस सर्वे डिटेल भरने और रजिस्ट्रेशन को प्रिंट करने की सुविधा को मोबाइल पर ही उपलब्ध करवाई गई थी। लोगों के अनुसार ऐप खोलने पर अपडेट रिक्वायर्ड आ रहा है। लेकिन यह कहां से होगा यह नहीं पता। इसके साथ ही ऐप खोलने पर यह भी लिखा आ रहा है कि हम इसमें कुछ फीचर जोड़ रहे हैं और कुछ बग इशू को हल कर रहे हैं।

2019 में डीडीए ने 1731 कच्ची कॉलोनियों में रहने वालों को उनकी प्रॉपर्टी के हक दिलवाने के लिए यह स्कीम शुरू की थी। करीब साढ़े तीन साल में महज 18 हजार लोगों को कनवेंस डीड दी जा सकी है। दावा किया था कच्ची कॉलोनियों में करीब 40 लाख लोग रहते हैं और इन्हें अपनी जगह के मालिकाना हक मिलेंगे।

## एक नज़र में पीएम उदय स्कीम (4 अगस्त तक)

अब तक मिलीं एप्लीकेशन
**1,14,769**
आवेदनों पर कार्रवाई की गई
**1,14,453**

कनवेंस डीड जारी
**19,293**
रिजेक्ट आवेदन
**31,389**
पेंडिंग आवेदन
**64087**

लोगों की तरफ से कमियां
**60,473**
डीडीए की तरफ से पेंडिंग
**3614**

**NBT Lens**
**समझिए खबरों के अंदर की बात**

## नाकामी के पीछे बताई दो बड़ी वजहें

इसकी दो बड़ी वजह हैं। एक तो इस योजना के तहत जिन दस्तावेजों की जरूरत है, अधिकतर लोगों के पास वे सभी दस्तावेज नहीं हैं। अनधिकृत कॉलोनियों में से बड़ी संख्या में ऐसी हैं, जो खेतों को काटकर बनाई गई हैं। ऐसे में दस्तावेजों की पूरी चेन की जरूरत है, जो लोगों के पास है नहीं। दूसरी बड़ी वजह ये भी है कि इन कॉलोनियों में रहने वाले एक बड़े वर्ग को लगता है कि इतनी बड़ी कॉलोनियों को तोड़ना संभव ही नहीं है। ऐसे में मालिकाना हक हो या नहीं, उससे बहुत अधिक फर्क नहीं पड़ेगा। न तो उनका मकान टूटने की आशंका है और न ही मकान से बेदखल होने की।

11

**DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY**
**LIBRARY**
**PRESS CLIPPING SERVICE**

SUNDAY TIMES OF INDIA, NEW DELHI
AUGUST 6, 2023

DATED

# Keep Exigency Plan Ready To Tackle Waterlogging: LG

## Discusses Preparedness For G20 Summit With Top Officials

Times News Network

**New Delhi:** With the month of September known for heavy monsoon rains, LG VK Saxena on Saturday directed the Public Works Department and Municipal Corporation of Delhi to put in place a contingency plan to deal with cases of waterlogging during the G20 summit. The heads of the member countries and hundreds of delegates will be in Delhi for the summit on September 9 and 10.

Several parts of central Delhi, including the area around Pragati Maidan, the summit's venue, Ring Road, ITO and Rajghat, were inundated because of the flooding last month.

While the agencies have installed closed circuit television cameras to constantly monitor the vulnerable spots, the LG instructed that tractor-mounted heavy duty pumps, suction machines, spray jets and other machinery should be put on standby to address any emergency situation.

The LG was chairing a meeting to review the last-minute preparedness for the summit. Top officers of all stakeholder departments attended the meeting.

Officials from the LG secretariat said pending works had gathered pace and targets set by Saxena were being met since the last meeting on July 31 when PWD was instructed to take up works in mission mode.

File photo

NOT A WELCOME SCENE

"While other works related to the event had been going on as per schedule, major outstanding works included non-disposal of construction and demolition waste and the condition of pavements on the 61 roads associated with the forthcoming summit," said an official.

"A visible change has begun to show during the last few days," the official added.

The 61 important roads, which will be taken by delegates to travel between their hotels and the summit venue, and areas in the vicinity of 23 hotels where they will be staying have been spruced up by different departments concerned.

The LG secretariat added that Saxena has so far made 25 visits to different stretches of roads and locations to personally oversee the progress of works and laid special thrust on disposal of construction and demolition waste, removal of encroachments, repair of footpaths, landscaping and horticultural upgradation. "The agencies have been directed to impose hefty penalties on the violators," said an official.

Officials added that DDA, NDMC, MCD and Delhi Metro have been told to ensure cleanliness and removal of posters and graffiti. Impressive wall art has been put in place on flyovers, poles and pillars under their jurisdiction.

"The district monitoring coordinators have been instructed to strictly deal with those who deface walls, poles, metro pillars by way of putting up posters and graffiti," said an official.

Since some hotels were still being renovated, specific instructions were issued to deck up their surroundings on a mission mode.

The government has also deployed 30 mobile teams of Delhi Pollution Control Committee to check violations.

। संडे नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली ।6 अगस्त 2023

# जी-20 के लिए तेज़ी से बदल रही दिल्ली, LG ने की समीक्षा बैठक

## तमाम विभागों को समय पर काम पूरा करने के दिए निर्देश

**■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली**

जी-20 की बैठक के मद्देनजर दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर में किए जा रहे सुधार के कामों का जायजा लेने के लिए एलजी वी के सक्सेना ने शनिवार को बैठक की। 31 जुलाई को हुई बैठक के बाद उपराज्यपाल लगातार कामों की समीक्षा कर रहे हैं और साइट का दौरा भी कर रहे हैं। इस बैठक में मुख्य सचिव, एनडीएमसी के चेयरमैन, डीडीए के वीसी, डीएमआरसी के एमडी, पीडब्ल्यूडी के प्रधान सचिव सहित कई अन्य विभागों के अधिकारी शामिल रहे।

Sunil Kataria

आईटीओ के पास स्थित शहीदी पार्क का रेनोवेशन पूरा हो चुका है, अगले 2-3 दिन में इसका उद्घाटन हो सकता है

कामों की समीक्षा के लिए एलजी अब तक अलग-अलग साइटों पर 25 बार विजिट कर चुके हैं। उनका खास ध्यान सी एंड डी वेस्ट के निपटारे, फुटपाथ की रिपेयरिंग, अतिक्रमण हटाने और हॉर्टिकल्चर को अपग्रेड करने पर है। बैठक में इस पर भी चर्चा हुई कि डीडीए, एनडीएमसी और एमसीडी की ओर से पौधे लगाने के काम में सुधार हुआ है। डीएमआरसी के मेट्रो स्टेशनों की साफ सफाई और पिलर पर लगाए गए पोस्टरों को हटाने के कामों में तेजी आई है। इसके अलावा फ्लाईओवर, खंभे आदि पर वॉल आर्ट बनाए जा रहे हैं।

LG अब तक साइटों पर 25 बार विजिट कर चुके हैं

पीडब्ल्यूडी और एमसीडी को बारिश को लेकर नाला बनाने के लिए एक इमरजेंसी योजना लागू करने के लिए कहा गया है। इससे किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए ट्रैक्टर-माउंटेड हेवी ड्यूटी पंप, सक्शन मशीन और स्प्रे जेट्स आदि को तैयार रखने के लिए कहा गया है। पीडब्ल्यूडी, एमसीडी, डीडीए और एनडीएमसी को निर्देश दिए गए हैं कि जहां पर अतिक्रमण हटाया गया है, वहां पर लगातार निगरानी की जाए, ताकि दोबारा अतिक्रमण न हो।

## सेंट जेम्स चर्च का रीडिवेलपमेंट पूरा, उद्घाटन आज

**■ विस, नई दिल्ली :** एलजी रविवार को कश्मीरी गेट स्थित 187 साल पुराने ऐतिहासिक सेंट जेम्स चर्च में किए गए सुधार और रीडिवेलपमेंट के कामों के बाद फिर से जनता को समर्पित करेंगे। इसके उद्घाटन के अवसर पर दिल्ली के बिशप रिवरेंड डॉ. पॉल स्वरूप और चर्च के प्रेस्बिटर रिवरेंड प्रतीक पिल्लई मौजूद रहेंगे। एलजी ने पिछले साल नवंबर में डीडीए को रीडिवेलपमेंट का निर्देश दिया था। सेंट जेम्स चर्च दिल्ली के चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया डायोसिस का हिस्सा है। एलजी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए थे कि ऐतिहासिक संरचना के मूल को बनाए रखने का पूरा ध्यान रखा जाए। सेंट जेम्स चर्च भारत के ब्रिटिश वाइसराय का आधिकारिक चर्च भी जानी जाती है। एलजी ने जोर दिया है कि चर्च की इमारत और इसके आसपास क्षेत्र का विकास इस तरह से किया जाए कि यह शहर में एक प्रमुख पर्यावरण चिह्न बन जाए।

**DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY**
**LIBRARY**
**PRESS CLIPPING SERVICE**

---DATED---

दैनिक जागरण नई दिल्ली, 6 अगस्त, 2023

# 187 साल पुराने सेंट जेम्स चर्च को मिला नया जीवन

**राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली** : कश्मीरी गेट स्थित सेंट जेम्स चर्च को नया जीवन मिल गया है। अब यह उस नए रूप में आ गया है, जिस तरह 187 साल पहले दिखता था। इस चर्च का जीर्णोद्धार और नवीकरण का काम दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए)ने इंटेक के साथ मिलकर किया है। इस चर्च को स्किनर्स चर्च के नाम से भी जाना जाता है। इस चर्च को 1836 में कर्नल जेम्स स्किनर के लिए बनाया गया था। यह शहर के सबसे पुराने चर्चों में से एक है।

चर्च की स्थिति काफी खराब हो गई थी। जीर्णोद्धार के बाद यह चर्च अपने पैरिशियनों की सेवा करने के अलावा पर्यटकों को भी आकर्षित करेगा। इसके जीर्णोद्धार में विरासत संरचना की मौलिकता बरकरार रखी गई है। सेंट जेम्स चर्च को दिल्ली में भारत के ब्रिटिश वायसराय का आधिकारिक चर्च माना जाता है। चर्च की इमारत और उसके आसपास के क्षेत्र को इस तरह से विकसित किया गया है कि यह शहर में एक प्रमुख स्थल बन जाए। यह दिल्ली के सबसे पुराने चर्चों में से एक है और चर्च आफ नार्थ इंडिया डायोसीज आफ दिल्ली का हिस्सा है। नवंबर 2022 में इसके जीर्णोद्धार और संरक्षण का काम शुरू किया गया था। चर्च लाल किला, जामा मस्जिद व चांदनी चौक के स्मारकों का दौरा करने वाले पर्यटकों के लिए भी प्रमुख आकर्षण का केंद्र बनेगा।

सेंट जेम्स चर्च संरक्षण कार्य के बाद • सौजन्य-राजनिवास

एलजी वी के सक्सेना ने विभिन्न अवसरों पर चर्च के नवीनीकरण के कार्य का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को इसे सख्ती से सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था।। उन्होंने कहा कि चर्च का जीर्णोद्धार बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह क्षेत्र पुरानी दिल्ली के कई ऐतिहासिक स्मारकों के करीब है। एलजी ने पिछले साल मई में गोल मार्केट, अनंगताल बावली व निजामुद्दीन बस्ती जैसी विरासत संरचनाओं की बहाली की पहल और निगरानी की है। उन्होंने हाल में डीडीए को महाराजा पृथ्वीराज चौहान के ऐतिहासिक किला राय पिथौरा के जीर्णोद्धार व नवीकरण का काम अपने हाथ में लेने का निर्देश दिया।। इस विरासत को उपराज्यपाल वी के सक्सेना चर्च को छह अगस्त को फिर से समर्पित करेंगे।

---

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 2023 दैनिक जागरण

# भारी वर्षा से निपटने के लिए आकस्मिक योजना तैयार

## एलजी ने शिखर सम्मेलन की तैयारियों पर की समीक्षा बैठक

G20 बैठक की तैयारियां

**राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली**: जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारी वर्षा या जलभराव से निपटने के लिए आकस्मिक योजना तैयार होगी। पीडब्ल्यूडी और एमसीडी ऐसी किसी भी समस्या से निपटने के लिए कार्ययोजना तैयार रखेंगे। इस दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए ट्रैक्टर पर लगे हैवी ड्यूटी पंप, सक्शन मशीन और स्प्रे जेट व अन्य को स्टैंडबाय पर रखे जाएंगे।

दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की 30 मोबाइल टीमें भी जी-20 कार्यक्रमों के समापन तक लगातार सडकों पर रहेंगी और इन टीमों द्वारा पाए गए किसी भी उल्लंघन पर मौके पर ही कार्रवाई की जाएगी। शनिवार को उपराज्यपाल वीके सक्सेना की अध्यक्षता में जी 20-सम्मेलन की तैयारी को लेकर यह फैसला लिया गया। बैठक में मुख्यसचिव, एनडीएमसी अध्यक्ष सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में उपराज्यपाल ने बाढ़ और वर्षा से प्रभावित परियोजनाओं की जानकारी ली। वह इन सभी कार्यों की प्रगति की व्यक्तिगत रूप से निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी काम को जल्द खत्म किया जाए। अधिकारियों ने बताया कि लगभग सभी काम तय समय के अनुसार चल रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली मेट्रो अपने स्टेशनों पर साफ-सफाई, खंभों से पोस्टर और चित्रों को हटाने पर जोर दिया जा रहा है। शिखर सम्मेलन से जुड़ी 61 महत्वपूर्ण सडकों के रखरखाव, सुधार और सुंदरीकरण राजधानी के सभी सात जिलों की निगरानी की जा रही है।

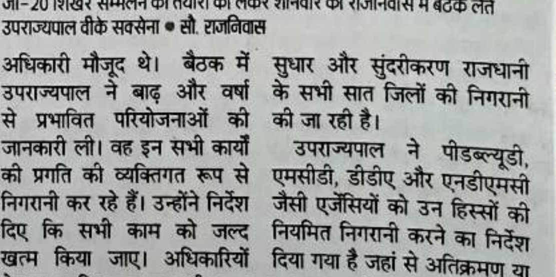
जी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारी को लेकर शनिवार को राजनिवास मे बैठक लेते उपराज्यपाल वीके सक्सेना • सौ. राजनिवास

उपराज्यपाल ने पीडब्ल्यूडी, एमसीडी, डीडीए और एनडीएमसी जैसी एजेंसियों को उन हिस्सों की नियमित निगरानी करने का निर्देश दिया गया है जहां से अतिक्रमण या मलबा हटा दिया गया है। कोई इन पर दोबारा अतिक्रमण करता है, तो उस पर भारी जुर्माना लगाने का निर्देश दिया गया है। वहीं, अवैध पोस्टर व अन्य के खिलाफ सख्ती करने को कहा गया है।

दिखानी होगी गंभीरता »संपादकीय

Hindustan Times
NEW DELHI
SUNDAY
AUGUST 06, 2023

NAME OF NEWS
:D-----------------------

# DDA to urge govt to retain some deer at Hauz Khas park

In June, the Central Zoo Authority decided to relocate the park's 600-odd deer population to the Asola Bhati sanctuary. PTI

**Snehil Sinha**
snehil.sinha@hindustantimes.com

**NEW DELHI:** The Delhi Development Authority (DDA) has decided to write to the Union environment ministry, seeking permission to keep some of the deer back at the AN Jha Deer Park in Hauz Khas area of South Delhi, officials aware of the matter said on Saturday.

In June, the 25.95-hectare Deer Park was derecognised as a mini zoo by the Central Zoo Authority (CZA) that comes under ministry of environment, forest and climate change (MoEFCC). It was further decided that its 600-odd deer population will be shifted to the Asola Bhati sanctuary and the park will be maintained as protected forest' by DDA.

However, after several requests from residents and visitors, DDA will now ask to retain around a dozen deer, while the others will be shifted out, the officials said. "After the announcement, we got several queries and requests from residents, visitors and animal lovers that the Deer Park should have some deer. The decision was taken in the first place as it was difficult for DDA to go on maintaining it as a mini zoo, especially after the deer population had grown to this extent. However, we have received multiple requests and we will ask the ministry to let us retain about a dozen deer. We will have to send the rest, as decided earlier," said a senior DDA official, asking not to be named.

Officials added that the problems due to overpopulation of deer at the park included inbreeding and insufficient closure area for the animals, which could raise health concerns, officials added. This is why the area could not be maintained as a mini zoo and had to be declassified, they said.

For their relocation, the ministry has appointed a nodal officer to oversee the process which is likely to happen only after the monsoon season is over, officials said.

"There are fixed guidelines and manner in which the animals will be relocated. A quarantine area will be set up within the sanctuary and the deer will initially be kept there for some days to see if they are adjusting well. Their medical examination will also be done before they are let out in the wild," said the DDA officer.

CZA had earlier said that the relocation will not only address overcrowding but would also help improve the food web in the Asola Bhati sanctuary, where the number of leopards is on a rise.

"The chief wildlife warden, NCT of Delhi, stated that as per latest census, the number of leopards (Panther pardus fusca) in Asola-Bhati Wildlife Sanctuary, Delhi, has risen to 18 and there is need to supplement the prey base. Accordingly, requested that the Spotted deer (Axis axis) from zoo may be translocated in the sanctuary," stated the letter from CZA issued in June. The plan has been in place since last year, when a couple of deer were also shifted on trial by CZA.

NAME OF NEWSPAPERS---- THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI MONDAY, AUGUST 7, 2023 -----DATED--------------------

# Back in full glory: St James' Church, Delhi's oldest, gets a new hue

**Shreya Ghosh & Ridhima Gupta** | TNN

**New Delhi:** The St James' Church, which is Delhi's oldest, was on Sunday thrown open to people after renovation.

The church, near the bustling Kashmere Gate and in close vicinity of several other monuments, was built in 1836 and is one of the city's many cultural gems.

After a wait of eight years, the renovation of the 187-year-old building took off in 2022 and was reopened on Sunday by lieutenant governor VK Saxena.

St. James was once the official church of the British Viceroy of India in Delhi. The building was built for Colonel James Skinner, an East India Company officer, and was also known as Skinner's Church.

After the latest round of restoration, the church is now a hue of pink. That was its original colour, not the yellow that it was before the restoration began.

The structure, with a Greek cross and an Italian Renaissance dome design, had suffered water seepage through the pillars, seen roof damage and damage to the original European stained-glass windows depicting the crucifixion, ascension of Christ and resurrection of Christ.

The assessment of the damage and conservation was done by the Delhi chapter of the Indian National Trust for Art and Cultural Heritage (INTACH).

Priyanka Soni, a conservation architect with ITACH,' told **TOI**: "The Delhi Metro goes under the church so we started the restoration assessments from the structure. We found several cracks, damping, missing masonry and other issues."

The restoration began in July 2022 in four phases after seeing a halt in 2021 because of the pandemic. "We started with water proofing the terrace and then the whole building. The first step was to dismantle the old layers and plasters, then replastering was done using old lime and mortar and then we did a lime punning. Using lime is more time-taking but it is more durable and absorbs water," Soni said.

Photos: Piyal Bhattacharjee

Lieutenant governor Vinay Kumar Saxena and bishop of Delhi Dr Paul Swarup re-opened St James' Church at Kashmere Gate, after its renovation

For the outer restoration, red sandstone was used. "The church was painted yellow earlier, but during the dismantling we found that red sandstone had been used underneath. We have brough that back," Soni added.

The copper ball and cross on the top of the church, said to be replica of a church in Venice, were damaged during the 1857 revolt, and were replaced. The church consists of an altar in the eastern end and porticoes on the other three sides. The western portico is the main entrance.

The total budget for restoration was estimated at Rs 3.5 crore. However, the work got completed for Rs 2.71 crore. In 2017-2018, church members contributed around Rs 50 lakh that brought down the total renovation cost. "In 2021, an MoU was signed with the Delhi Development Authority (DDA), and work was finally started in October 2021. After delays due to the pandemic and ban on construction to control pollution, the conservation process picked up once again in July 2022," said Kamal Baluja, chairman of the Church Conservation Committee.

While inaugurating the church, the LG said, "Monuments are like living beings. They have a soul of their own and therefore should be protected and enriched."

The LG has been stressing that the church and its vicinity be developed as a prominent landmark.

"I'm happy to see it return to its original form," Jennifer Datt, a forty-nine-year-old teacher at Martyr Dere School, said. "This church is intimately intertwined with our lives," she added.

---

। नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । सोमवार, 7 अगस्त 2023

# पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनेगा सेंट जेम्स चर्च : LG

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

कश्मीरी गेट इलाके मे दिल्ली के ऐतिहासिक सेंट जेम्स चर्च के रेस्टोरेशन और रेनोवेशन का काम पूरा होने के बाद रविवार को उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने इसे लोगों को समर्पित किया। इस अवसर पर दिल्ली के बिशप रेवरेंड डॉ. पॉल स्वरूप और चर्च के प्रेस्बिटर रेवरेंड प्रतीक पिल्लई समेत कई अन्य गणमान्य लोग और डीडीए व इंटैक के अधिकारी भी मौजूद रहे। एलजी ने यहां किए गए कामों का बारीकी से जायजा भी लिया।

चर्च के रेस्टोरेशन और रेनोवेशन का काम पूरा होने के बाद रविवार को उपराज्यपाल सक्सेना ने इसे लोगों को समर्पित किया

एलजी ने कहा कि मुझे राजधानी के ऐतिहासिक सेंट जेम्स चर्च को पुनः समर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। इंटैक की मदद से डीडीए ने रिकॉर्ड समय में इसके रेनोवेशन और रेस्टोरेशन का काम पूरा किया है। आस्था का यह प्रतिष्ठित और भव्य स्थल आजादी की पहली लड़ाई और उपनिवेशवाद के खिलाफ हमारे पूरे संघर्ष का गवाह रहा है। उन्होंने डीडीए ने डीडीए के अधिकारियों और क्यूरेटरों के काम की सराहना भी की, जिन्होंने बहुत परिश्रम के साथ और सावधानीपूर्वक इस चर्च की संरचना की मौलिकता को बरकरार रखते हुए रिकॉर्ड टाइम में इसे बहाल किया।

1836 में निर्मित सेंट जेम्स चर्च भारत में ब्रिटेन के वायसरॉय के दिल्ली स्थित चर्च के रूप में जाना जाता है। यह चर्च स्किनर्स चर्च के रूप में भी जाना जाता है, जो चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया डायोसीज ऑफ दिल्ली का एक हिस्सा है और दिल्ली के सबसे पुराने चर्चों में से एक है। डीडीए ने नवंबर 2022 में इसके रेस्टोरेशन का काम शुरू किया था। एलजी ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि यह चर्च अब शहर के एक प्रमुख स्थल के रूप में लोकप्रिय होगा और लाल किला, जामा मस्जिद, चांदनी चौक में घूमने आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करेगा। हमारे ये प्रयास दिल्ली की विरासत और इसके ऐतिहासिक व सांस्कृतिक प्रतीकों को संरक्षित करने की हमारी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि करते हैं। एलजी ने बताया कि इसी क्रम में अब गोल मार्केट, अनंग ताल बावली, निजामुद्दीन बस्ती, महरौली आर्कियोलॉजिकल पार्क और किला राय पिथौरा जैसी कई अन्य ऐतिहासिक विरासतों के जीर्णोद्धार का काम भी तेजी से चल रहा है।

Hindustan Times
NEW DELHI
MONDAY
AUGUST 07, 2023

DATED

# 'Humbled': LG throws open St James Church to public

**Sadia Akhtar**
sadia.akhtar@htlive.com

The newly renovated St James Church. SANCHIT KHANNA/HT PHOTO

**NEW DELHI:** The historical St James' Church was a centre of celebration on Sunday after the structure was formally opened following year-long restoration works, which helped save it from crumbling while also retaining its vintage character.

A ceremony held to commemorate the occasion also saw the participation of Delhi lieutenant governor VK Saxena, who unveiled a plaque and rededicated the church to the people.

The restored church will now become a prominent landmark in the city for tourists, city residents and heritage enthusiasts, the LG said. "Humbled to have rededicated the historical St James Church in the Capital. This iconic and grand house of faith, renovated and restored by DDA with the help of INTACH in record time, has stood witness to the 1st war of independence, as indeed our entire struggle against colonialism," he said.

The 187-year-old church located in Kashmere Gate is the oldest church in Delhi and demonstrates classic colonial architecture. A Scottish mercenary, James Skinner, started building the church in 1821. Construction was completed in 1836.

The church had several conservation and maintenance issues, officials said, which needed to be urgently attended to as there were serious cracks in the structure.

Efforts to put in place conservation plans were initiated in August 2015 by church authorities. They appealed to the LG for funds in 2017 and the financial grant came through in 2019. In 2021, an MoU was signed with the Delhi Development Authority (DDA), and work was finally initiated in October 2021. After delays due to the Covid-19 pandemic and ban on construction to control pollution, the conservation process picked up once again in July 2022.

Conservation was carried out by the Indian National Trust for Art and Cultural Heritage (Intach)'s Delhi chapter as the project consultant.

Jennifer Datt, a member of the church who attended the ceremony on Sunday, said the church was in need of conservation and effort had yielded fruits. "The church has been nicely done. It's back to its original colour and all facades have been spruced up too," said Datt, who has been associated with the church since 1996.

NAME OF NEWSPAPER दैनिक जागरण नई दिल्ली 7 अगस्त, 2023 -DATED

# स्टेशनों पर बढ़ेगी सुविधा, तेज होगी विकास की गति

## दिल्ली छावनी, सब्जी मंडी और नरेला रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य शुरू

**संतोष कुमार सिंह** • नई दिल्ली

नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली जैसे बड़े रेलवे स्टेशनों के साथ ही दिल्ली के छोटे स्टेशनों की सूरत बदलने का काम चल रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत दिल्ली छावनी, सब्जी मंडी और नरेला रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य शुरू हो गया है। 424 करोड़ रुपये खर्च कर इन स्टेशनों की मुख्य इमारत को नया रूप देने के साथ स्टेशन परिसर को सुंदर बनाया जाएगा। यात्री सुविधाएं बेहतर होंगी और स्टेशन के आसपास यातायात व्यवस्था में सुधार किया जाएगा।

**नरेला उपनगरी का होगा विकास :** दिल्ली-अंबाला रेलखंड पर स्थित नरेला रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास से इस क्षेत्र के विकास में मदद मिलेगी। द्वारका की तरह नरेला को उपनगरी के रूप में विकसित करने के लिए डीडीए काम कर रहा है। 18 सेक्टर में विभाजित इस उपनगरी में 16 लाख से ज्यादा लोगों का आशियाना होगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सब्जी मंडी रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास परियोजना के शिलान्यास के मौके पर मौजूद पूर्व केंद्रीय मंत्री व स्थानीय सांसद डा. हर्षवर्धन। साथ में पूर्व महापौर जयप्रकाश • जागरण

**सब्जी मंडी आने वालों की दूर होगी परेशानी :** आजादपुर मार्केट और सदर बाजार के नजदीक स्थित होने के कारण सब्जी मंडी रेलवे स्टेशन का महत्व बढ़ जाता है। कई एक्सप्रेस सहित यहां 51 ट्रेनों का ठहराव है। सोनीपत और गुरुग्राम की तरफ से इन दोनों बाजारों में आने वाले कारोबारियों व श्रमिकों के साथ उत्तरी और पश्चिमी दिल्ली के यात्रियों के लिए यह स्टेशन सुविधाजनक है।

**दिल्ली छावनी का बढ़ेगा महत्व :** वर्ष 1914 में बने इस स्टेशन का पहले अधिकांश उपयोग दिल्ली छावनी में रहने वाले लोग करते थे।इस स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ बढ़ी है। अजमेर वंदे भारत का इसी स्टेशन से संचालन किया जाता है। इसके साथ डबलडेकर जयपुर एक्सप्रेस, अजमेर ज़नशताब्दी, राजस्थान हमसफर सहित प्रतिदिन 110 ट्रेनों का यहां से संचालन होता है।

### दिल्ली मंडल के 33 स्टेशनों की बदलेगी सूरत

दिल्ली मंडल के कुल 33 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जाना है। इनमें से 14 स्टेशनों का काम छह अगस्त को शुरू हो गया। इनके पुनर्विकास पर 1333 .64 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

| स्टेशन | आवंटित राशि |
|---|---|
| दिल्ली छावनी | 371 करोड़ |
| सब्जी मंडी | 27 करोड़ |
| नरेला | 26 करोड़ |
| गाजियाबाद | 337 करोड़ |
| फरीदाबाद | 262 करोड़ |

# जीर्णोद्धार के बाद सेंट जेम्स चर्च जनता को समर्पित

**राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली :** 187 वर्ष पुराने सेंट जेम्स चर्च को एक बार फिर आमजन को समर्पित कर दिया है। जीर्णोद्धार के बाद नए सिरे से तैयार इस चर्च का रविवार को एलजी वीके सक्सेना ने लोकार्पण करने के बाद जनता को सौंप दिया। इस दौरान उन्होंने जीर्णोद्धार और नवीकरण कार्य के लिए डीडीए के अधिकारियों तथा संरक्षकों की सराहना भी की।

कश्मीरी गेट के पास स्थित सेंट जेम्स चर्च को दिल्ली की सबसे पुरानी ऐतिहासिक धरोहरों में से एक है। सेंट जेम्स चर्च को (इसे स्किनर्स चर्च के रूप में भी जाना जाता है) को भारत के ब्रिटिश वायसराय के आधिकारिक चर्च के रूप में जाना जाता है। जीर्णोद्धार के बाद इसे फिर से समर्पित करने के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में एलजी ने कहा कि राजधानी के इस ऐतिहासिक चर्च को जनता को फिर से समर्पित करते वह खुद को सम्मानित महसूस करते हैं।

इस इमारत का जीर्णोद्धार डीडीए ने इनटैक के सहयोग से रिकार्ड समय में किया है। यह ऐतिहासिक इमारत हमारे प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आजादी की पूरी लड़ाई की गवाह रही है। डीडीए ने इस इमारत के जीर्णोद्धार का काम नवंबर 2022 में शुरू किया था। एलजी ने कहा कि पूरे काम में इमारत के वास्तविक स्वरूप को बरकरार रखने पर ध्यान दिया गया।

लोकार्पण करने के बाद सेंट जेम्स चर्च का अवलोकन करते एलजी वीके सक्सेना व अन्य अधिकारी • सौ. राजनिवास

5 अगस्त, 2023 ▸ शनिवार
पंजाब केसरी
DELHI
DATED

कालकाजी आवास योजना की लाभार्थी महिलाओं ने पीएम को लिखा पत्र...

# पत्र में लिखा, धन्यवाद मोदी जी आपने हमें झुग्गी के बदले मकान दिया

**नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) :** दिल्ली में सरकारी योजना में घर पाने वाली महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिख कर धन्यवाद दिया। पत्र में लिखा- धन्यवाद मोदी जी आपने हमें झुग्गी के बदले मकान दिया। PM मोदी के ट्वीट के मुताबिक, महिलाओं ने उन्हें ये पत्र विदेश मंत्री एस जयशंकर के हाथों भिजवाए हैं। प्रधानमंत्री ने चार पत्रों की फोटो शेयर की है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज एक ट्वीट में बताया कि वे दिल्ली के कालकाजी क्षेत्र में 'जहां झुग्गी वहां मकान' योजना के तहत पक्के मकान आवंटित किए गए लाभार्थियों द्वारा उन्हें लिखे गए पत्रों से अभिभूत हैं। लाभार्थी महिलाओं ने विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर को पत्र सौंपे। विदेश मंत्री उनसे मिलने आए थे। लाभार्थियों ने अपनी खुशी व्यक्त की और उनके सपने को साकार करने और योजना के माध्यम से उनके जीवन को सुगम बनाने में मदद करने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री ने गरीबों के कल्याण के लिए काम करते रहने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा कि "दिल्ली के कालकाजी की उन माताओं और बहनों के पत्रों को पाकर अभिभूत हूं, जिन्हें 'जहां झुग्गी वहीं मकान" स्कीम के तहत पक्के घर मिले हैं। विदेश मंत्री जी जब वहां गए तो महिलाओं ने ये पत्र उन्हें सौंपे, जिनमें उन्होंने अपनी खुशी जाहिर की है। वे बताती हैं कि कैसे इस स्कीम के जरिए उनका वर्षों पुराना सपना साकार हुआ है और पूरे परिवार का जीवन आसान बना है। पत्रों के लिए आप सभी का बहुत-बहुत आभार। हमारी सरकार गरीबों के कल्याण के लिए यूं ही प्रतिबद्ध होकर काम करती रहेगी।"

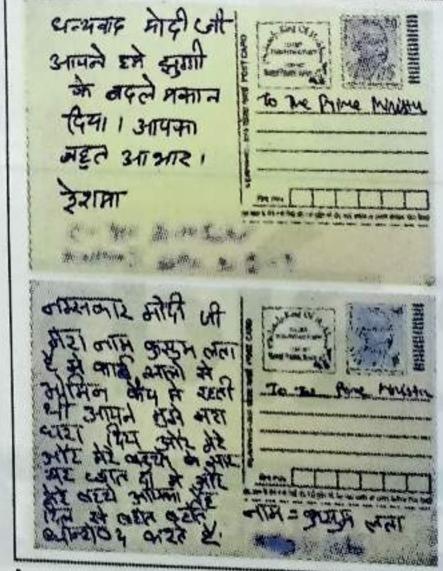

धन्यवाद मोदी जी
आपने हमे झुग्गी
के बदले मकान
दिया। आपका
बहुत आभार।
रेशमा

To the Prime Minister

नमस्कार मोदी जी
मेरा नाम कुसुम लता

To the Prime Minister

नाम = कुसुम लता

फाइल फोटो

## साल 2022 में कालकाजी में 3024 फ्लैट की चाबियां दी थी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 नवंबर 2022 को यथास्थान झुग्गी झोपड़ी पुनर्वास परियोजना के तहत कालकाजी में 3024 फ्लैट का उद्घाटन किया था। दिल्ली के विज्ञान भवन में कार्यक्रम में भूमिहीन लाभार्थियों को फ्लैट की चाबियां सौंपी। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने 376 स्लम कॉलोनी का पुनर्वास का कार्य किया गया। डीडीए ने तीन कॉलियोनिया कालकाजी एक्सटेंशन, जेलोरवाला बाग और कठपुतली कॉलोनी के नाम से परियोजना शुरू की थी। इसमें पहले चरण में 3024 फ्लैट बनाए गए। इसकी लागत करीब 345 करोड़ रुपए थी। दूसरे चरण में नव जीवन कैंप और जवाहर कैंप का विकास करने की बात कही थी।

amarujala.com
नई दिल्ली | रविवार, 6 अगस्त 2023

# जी-20 सम्मेलन : पर्याप्त इंतजाम, नहीं होगा बारिश से जलभराव

## उपराज्यपाल ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक, जलभराव से निपटने के लिए बनेगी आकस्मिक योजना

अमर उजाला ब्यूरो

**नई दिल्ली।** जी-20 सम्मेलन के दौरान बारिश या जलभराव से निपटने के लिए आकस्मिक योजना तैयार होगी। लोक निर्माण विभाग और नगर निगम ऐसी किसी भी समस्या 'से निपटने के लिए कार्ययोजना तैयार रखेंगे।

साथ ही, किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए ट्रैक्टर पर लगे हैवी ड्यूटी पंप, सक्शन मशीनें, स्प्रे जेट व अन्य उपकरण को तैयार रखेंगे। सरकार की कोशिश सम्मेलन के दौरान आने वाली हर संभावित समस्या का समाधान करने की है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने शनिवार को सम्मेलन की तैयारियों के कार्यों की समीक्षा की। इसमें दिल्ली के मुख्य सचिव, एनडीएमसी अध्यक्ष सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। उपराज्यपाल नें बाढ़ और बारिश से प्रभावित हुई परियोजनाओं की भी जानकारी ली। उन्होंने सभी काम को जल्द खत्म करने के निर्देश भी दिए। अधिकारियों ने बताया कि लगभग सभी काम तय समय के अनुसार चल रहे हैं। दिल्ली में सी एंड डी अपशिष्ट का निपटान, सम्मेलन से जुड़ी 61 सड़कों के फुटपाथ की स्थिति के कुछ काम बाकी है, जिन्हें पूरा किया जा रहा है। मेट्रो अपने स्टेशनों पर साफ सफाई, खंभों से पोस्टर और भित्तिचित्रों हटाने पर जोर दे रही है। सौंदर्यीकरण के लिए फ्लाईओवर, खंभों व अन्य पर कलाकृतियां बनाई गई हैं। शिखर सम्मेलन से जुड़ीं 36 सड़कें और 17 होटल नई दिल्ली जिले में स्थित हैं।

उपराज्यपाल ने पीडब्ल्यूडी, एमसीडी, डीडीए और एनडीएमसी को उन हिस्सों की नियमित निगरानी करने का निर्देश दिया है जहां से अतिक्रमण या सी एंड डी अपशिष्ट हटा दिया गया है। कोई इन पर फिर से अतिक्रमण करेगा तो भारी जुर्माना लगाने को कहा है। अवैध पोस्टर व अन्य के खिलाफ सख्ती बरतने के लिए भी कहा गया है। बैठक में कुछ होटलों के आसपास सुधार के मुद्दे को भी उठाया गया और मिशन मोड में इनके आसपास के वातावरण को बेहतर बनाने के लिए विशेष निर्देश जारी किए गए हैं।

### बाढ़ और बारिश से प्रभावित सभी प्रोजेक्ट तय समय में पूरे करने के निर्देश

### सड़क पर रहेगी मोबाइल टीम

दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की 30 मोबाइल टीमें जी-20 कार्यक्रमों के समापन तक लगातार सड़कों पर रहेंगी और नियम टूटने पर कार्रवाई करेंगी।

### चेतावनी स्तर के ऊपर आई यमुना

पर्वतीय क्षेत्रों में हो रही बारिश के बाद यमुना का जलस्तर फिर से चेतावनी स्तर के ऊपर पहुंच गया। शनिवार दोपहर तीन बजे के बाद जलस्तर बढ़कर 204.50 को पार कर गया था। शाम सात बजे तक यह आंकड़ा बढ़कर 204.73 तक पहुंच गया। यमुना में हथिनी कुंड बैराज से हर घंटे 10 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। कुछ दिन पहले तक यह आंकड़ा घटकर सात हजार क्यूसेक तक रह गया था। बाढ़ एंवं सिंचाई विभाग का अनुमान है कि जलस्तर 205 मीटर तक पहुंच सकता है। इसके बाद गिरावट हो सकती है।

---

6 अगस्त • 2023
राष्ट्रीय सहारा

# जी-20 की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे एलजी

**नई दिल्ली (एसएनबी)।** जी-20 की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना एक्शन मोड में आ गए हैं। बीते कुछ दिनों से अधिकारियों के साथ वह रात में पैदल जाकर विकास कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं। शनिवार की बैठक में उन्होंने माना है कि विकास कार्यों की मौके पर की जा रही समीक्षा का असर अब दिखने लगा है। इस बैठक में मुख्य सचिव, एनडीएमसी के अध्यक्ष, डीडीए के उपाध्यक्ष, डीएमआरसी के एमडी, पीडब्ल्यूडी के प्रधान सचिव, दिल्ली नगर निगम के आयुक्त समेत संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे। एलजी ने जल भराव की समस्या पर जोर देते हुए आकस्मिक योजना तैयार करने को कहा है।

जी-20 की तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए एलजी ने सभी अधिकारियों को मिशन मोड में काम करने को कहा है। उन्होंने माना है कि सभी विकास कार्य निर्धारित समय सीमा के दायरे में चल रहे हैं। बैठक में उन्होंने साफ-सफाई के साथ ही इस आयोजन से जुड़ी 61 सड़कों के फुटपाथों की समीक्षा की।

उन्होंने बताया कि डीडीए, एमसीडी और एनडीएमसी की तरफ से बागवानी के मामले में काफी बदलाव देखने को मिला है। दिल्ली मेट्रो प्रशासन ने स्टेशनों एवं पिलरों पर लगे पंपलेट एवं पोस्टरों को साफ करने में काफी तत्परता दिखायी है। फ्लाई ओवरों के आसपास के इलाकों से पोस्टर आदि को हटा दिया गया है।

जल भराव की समस्या से निपटने को आकस्मिक योजना बनाएं अधिकारी : एलजी

कहा, निर्धारित समय सीमा के दायरे में चल रहे विकास कार्य

रख-रखाव की निगरानी के लिए सड़क पर डीपीसीसी ने उतारीं 30 टीमें

**जलभराव की समस्या पर त्वरित कार्रवाई हो :** उप-राज्यपाल ने अधिकारियों से कहा है कि जलभराव की समस्या से निपटने के लिए योजना तैयार करें। आपात स्थिति से निपटने के लिए ट्रैक्टर पर बड़ी क्षमता के ड्यूटी पंप, सक्शन मशीन एवं स्प्रे जेट आदि को तैयार करें। पीडब्ल्यूडी, एमसीडी, डीडीए और एनडीएमसी को नियमित रूप से जल भराव की निगरानी करने को कहा है।

**नियमों का उल्लंघन करने पर जुर्माना :** एलजी से सफाई व्यवस्था को जोर देते हुए कहा कि बीते कुछ दिनों में जहां से भी कूड़ा एवं अवशिष्ट हटाया गया है वहां दोबारा ऐसी स्थिति पैदा न हो, इसके लिए स्थानीय निकाय निगरानी में तेजी लाएं। नियमों का उल्लंघन करने वालों में भारी जुर्माना वसूलने का निर्देश दिया है। दीवारों, खंभों एवं मेट्रो पिलर पर अनधिकृत पोस्टर बाजी पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यह बड़ी समस्या बन गई है। बैठक में राजधानी के प्रमुख बड़े पांच सितारा होटलों के आसपास भी सफाई पर जोर दिया। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई के लिए दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की 30 मोबाइल टीमें सड़कों पर लगाई गई हैं। इसकी निगरानी के लिए आला अधिकारियों को लगाया गया है।

pioneer | AUGUST 6, 2023

# LG chairs meeting of G-20 preparation

**STAFF REPORTER ■ NEW DELHI**

Delhi Lieutenant Governor VK Saxena on Saturday conducted a comprehensive review of the ongoing civic infrastructure works and the preparedness for the upcoming G-20 Summit in the capital. The meeting was attended by top officials including Chief Secretary, Chairman of NDMC, Vice-Chairman of DDA, and Managing Director of DMRC, among others.

During the meeting, it was noted that the Public Works Department (PWD) has significantly accelerated its works after being instructed to operate in a mission mode.

Additionally, other preparations related to the event have been on schedule. However, some outstanding works, such as the disposal of construction and demolition (C&D) waste across the city and the condition of pavements and footpaths on 61 roads linked to the Summit, were highlighted for attention.

The LG, who personally inspected 25 different road stretches and locations, emphasized the urgent need to address the disposal of C&D waste, removal of encroachments, and horticultural enhancements. His hands-on approach has already led to visible improvements since his inspections began on July 11, 2023.

. Authorities from DDA, NDMC, MCD, and Metro have also stepped up efforts to ensure cleanliness at their respective stations and have removed posters and graffiti from pillars and structures. Eye-catching wall art has been displayed by various agencies on flyovers, poles, and pillars, enhancing the city's visual appeal. To prepare for potential heavy rainfall during the event, PWD and MCD have been directed to implement a contingency plan to deal with waterlogging. The deployment of tractor-mounted heavy-duty pumps, suction machines, and spray jets will be on standby to tackle any emergencies.

Regarding the issue of encroachments and C&D waste, authorities have been instructed to regularly monitor the stretches that have been cleared and prevent any recurrence. Strict penalties will be imposed on violators to deter future encroachments.

Another persistent problem addressed in the meeting was the defacement of public property, including walls, poles, and metro pillars, by commercial and political entities using posters and graffiti. District Monitoring Coordinators have been empowered to take decisive actions with zero tolerance toward such activities.

---

पंजाब केसरी ▸ 6 अगस्त, 2023 ▸ रविवार

# 187 साल पुराना सेंट जेम्स चर्च आज से नए रूप में दिखेगा

**नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) :** कश्मीरी गेट स्थित सेंट जेम्स चर्च आज से नए रूप में दिखेगा। पुनर्निर्मित और पुनर्स्थापित हुए 187 साल पुरानी इस विरासत को दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना चर्च को फिर से समर्पित करेंगे। इस अवसर पर दिल्ली के बिशप रेवरेंड डॉ. पॉल स्वरूप और चर्च के प्रेस्बिटर रेवरेंड प्रतीक पिल्लई सहित अन्य उपस्थित रहेंगे। इस चर्च का जीर्णोद्धार और नवीकरण का काम दिल्ली विकास प्राधिकरण ने इंटेक के साथ मिलकर किया है। एलजी ने नवंबर 2022 में इसके जीर्णोद्धार और संरक्षण का निर्देश दिया था। इस चर्च को स्किनर्स चर्च के नाम से भी जाना जाता है। चर्च की स्थिति काफी खराब हो गई थी। जीर्णोद्धार के बाद यह चर्च अपने पैरिशियनों की सेवा करने के अलावा पर्यटकों को भी आकर्षित करेगा। इसके जीर्णोद्धार में विरासत संरचना की मौलिकता बरकरार रखी गई है। सेंट जेम्स चर्च को दिल्ली में भारत के ब्रिटिश वायसराय का आधिकारिक चर्च माना जाता है। एलजी ने निर्देश दिया है कि चर्च की इमारत और उसके आसपास के क्षेत्र को इस तरह से विकसित किया जाए कि यह शहर में एक प्रमुख स्थल बन जाए। यह दिल्ली में सबसे पुराने चर्चों में से एक है और चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया डायोसीज ऑफ़ दिल्ली का हिस्सा है। एलजी ने कार्यों की प्रगति की समीक्षा करने के लिए चर्च का दौरा किया, जहां उन्होंने संबंधित अधिकारियों और क्यूरेटर को विरासत संरचना की मौलिकता को बनाए रखते हुए परिश्रमपूर्वक संरक्षण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। चर्च, अपने पैरिशियनों की सेवा करने के अलावा, लाल किला, जामा मस्जिद और लोकप्रिय चांदनी चौक जैसे आसपास के स्मारकों का दौरा करने वाले पर्यटकों के लिए भी एक प्रमुख आकर्षण के रूप में काम करेगा।

---

amarujala.com
रविवार, 6 अगस्त 2023

# नए रूप में दिखेगा 187 साल पुराना सेंट जेम्स चर्च

**अमर उजाला ब्यूरो**

### इस पुरानी विरासत को उपराज्यपाल करेंगे चर्च को फिर से समर्पित

नई दिल्ली। कश्मीरी गेट स्थित सेंट जेम्स चर्च आज से नए रूप में दिखेगा। जीर्णोद्धार के बाद रविवार को 187 साल पुरानी इस विरासत को दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना चर्च को फिर से समर्पित करेंगे। इस अवसर पर दिल्ली के बिशप रेवरेंड डॉ. पॉल स्वरूप और चर्च के प्रेस्बिटर रेवरेंड प्रतीक पिल्लई सहित अन्य उपस्थित रहेंगे।

दिल्ली विकास प्राधिकरण ने संस्था के साथ मिलकर इस चर्च का जीर्णोद्धार और नवीकरण का काम किया है। एलजी ने नवंबर 2022 में इसके जीर्णोद्धार और संरक्षण का निर्देश दिया था। इस चर्च को स्किनर्स चर्च के नाम से भी जाना जाता है। चर्च की स्थिति काफी खराब हो गई थी। जीर्णोद्धार के बाद यह चर्च अपने पैरिशियनों की सेवा करने के अलावा पर्यटकों को भी आकर्षित करेगा। इसके जीर्णोद्धार में विरासत संरचना की मौलिकता बरकरार रखी गई है। सेंट जेम्स चर्च को दिल्ली में भारत के ब्रिटिश वायसराय का आधिकारिक चर्च माना जाता है। एलजी ने निर्देश दिया है कि चर्च की इमारत और उसके आसपास के क्षेत्र को इस तरह से विकसित किया जाए कि यह शहर में एक प्रमुख स्थल बन जाए। यह दिल्ली में सबसे पुराने चर्चों में से एक है और चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया डायोसीज ऑफ दिल्ली का हिस्सा है।

**DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY**
**LIBRARY**
**PRESS CLIPPING SERVICE**

millenniumpost
NEW DELHI | MONDAY, 7 AUGUST, 2023

NAME OF NEWSPAPERS------------------------------DATED------------------------

# L-G re-dedicates renovated 187-yr-old St James' Church at Kashmere Gate

**OUR CORRESPONDENT**

**NEW DELHI:** Delhi Lieutenant Governor V K Saxena Sunday said he was hopeful that the restored St James' Church will become a prominent landmark in the national Capital and attract a large number of tourists.

The L-G was speaking at a programme to re-dedicate the renovated and restored 187-year-old heritage St James' Church at Kashmere Gate.

"Humbled to have rededicated the historic St James Church in the Capital. This Iconic & Grand house of faith, renovated & restored by the DDA with the help of INTACH in record time, has stood witness to the 1st war of independence, as indeed our entire struggle against colonialism," the L-G said in a tweet.

The renovation of the church was taken up by the Delhi Development Authority in November 2022, the L-G added.

"I am confident that the restored Church will become a prominent landmark in the city and attract a large number of tourists visiting the nearby monuments like Red Fort, Jama Masjid & the popular Chandni Chowk," Saxena said.

"These efforts reaffirm our commitment to preserving Delhi's heritage and its historical and cultural icons," he added.

Saxena commended DDA officials and the curators for restoring the heritage structure with "utmost diligence" in record time while "keeping the originality of the structure intact". Built in 1836, the St James' Church is known to be the official church of the British Viceroy of India in Delhi, the L-G said.

Also known as Skinner's Church, this is part of the Church of North India Diocese of Delhi, and one of the oldest churches in the national Capital, he added.

Sharing details on other revamp projects, the L-G said, "Restoration of several heritage structures like Gole Market, Anang Tal Baoli, Nizamuddin Basti, Mehrauli Archaeological Park & Qila Rai Pithora is also progressing swiftly."

---

पंजाब केसरी
DELHI
▶ 7 अगस्त, 2023 ▶ सोमवार

**जीर्णोद्धार के बाद जनता को समर्पित हुआ सेंट जेम्स चर्च...** नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): 187 वर्ष पुराने सेंट जेम्स चर्च को एक बार फिर आम लोगों को समर्पित कर दिया है। रविवार को दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने जीर्णोद्धार के बाद जनता को सौंपा है। इस दौरान उन्होंने जीर्णोद्धार और नवीकरण कार्य के लिए डीडीए के अधिकारियों तथा संरक्षकों की सराहना की। कश्मीरी गेट के पास स्थित सेंट जेम्स चर्च को दिल्ली की सबसे पुरानी ऐतिहासिक धरोहरों में से एक माना जाता है। सेंट जेम्स चर्च को (इसे स्किनर्स चर्च के रूप में भी जाना जाता है) को भारत के ब्रिटिश वायसराय के आधिकारिक चर्च के रूप में जाना जाता है। जीर्णोद्धार के बाद इसे फिर से समर्पित करने के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में उप राज्यपाल ने कहा कि राजधानी के इस ऐतिहासिक चर्च को जनता को फिर से समर्पित करते वे खुद को सम्मानित महसूस करते हैं। इस इमारत का जीर्णोद्धार डीडीए ने इनटैक के सहयोग से रिकॉर्ड समय में किया है। यह ऐतिहासिक इमारत हमारे प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आजादी की पूरी लड़ाई की गवाह रही है। डीडीए ने इस इमारत के जीर्णोद्धार का काम नवंबर 2022 में शुरू किया था। एलजी ने कहा कि पूरे काम में इमारत के वास्तविक स्वरूप को बरकरार रखने पर ध्यान दिया गया।